ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 08-04-2022

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-04-08 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-04-09	2022-04-10	2022-04-11	2022-04-12	2022-04-13
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	44.0	43.0	44.0	44.0	43.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	25.0	26.0	26.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	16	31	31	30	31
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	6	7	7	7	8
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	13.0	14.0	14.0	15.0	16.0
पवन दिशा (डिग्री)	256	223	223	222	211
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	2	4	2

मौसम सारांश / चेतावनी:

आने वाले दिनों में आसमान में आंशिक बादल छायें रहने के साथ मौसम शुष्क रहने की सम्भावना है। आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 43.0 से 44.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24.0 से 27.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

किसान भाई भण्डारण से पूर्व अनाज को अच्छी तरह सुखा लें तथा अनाज को अच्छी तरह साफ करने के बाद ही बोरियों, ड्रम या कोठी में भरें। जहां तक सम्भव हो नई बोरियां ही प्रयोग में लें तथा पुरानी बोरियों को धूप में अच्छी तरह सुखाकर ही प्रयोग में लें।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में तापमान में वृद्धि होने के साथ लू चलने की सम्भावना हैं। पशुओं को लू से बचाने के उपाय करें उन्हें छप्पर में बांधें तथा पीने के पानी की व्यवस्था करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	किसान भाई सब्जियों व बागानों में अतिरिक्त सिंचाई अवश्य दे। सब्जियों व बागानों में वाष्पीकरण द्वारा जल की हानि को कम करने के लिये घास फूस व पालिथीन आदि की पलवार का प्रयोग करें।
भूमि की तैयारी	जिन क्षेत्रों में कपास की बुवाई करनी हैं वहां बुवाई के 2-3 सप्ताह पूर्व खेत में 15-20 टन गोबर की खाद प्रति हैक्टेयर की दर से डालें।
सामान्य सलाह	रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतो की गहरी जुताई कर जमीन को खुला छोड़ दे ताकि सूर्य की तेज धूप से गर्म होने के कारण इसमें छिपे कीडो के अण्डे तथा घास के बीज नष्ट हो जायेंगे।